>

Title : Situation arising out of non-procurement of wheat by FCI in Uttar Pradesh.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर दिलाना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश की सरकार लगातार यह कह रही है कि भारत की सरकार के जो खाद्य के गोदाम हैं, उन्हें पंजाब और हरियाणा के किसानों से गेहूं खरीद कर भरा जा रहा है और उत्तर प्रदेश के किसानों का गेहूं नहीं खरीदा जा रहा है। केन्द्र सरकार कह रही है कि हमने उत्तर प्रदेश सरकार को गेहूं खरीदने के लिए निर्देश दिया है और धन उपलब्ध कराया है, लेकिन पूर्वान्चल में यह हालत है कि सात परसेंट सिकुड़न के आधार पर गेहूं नहीं खरीदा जा रहा है। सूखा पड़ा है, तापमान कुछ पहले आ गया, जिससे गेहूं की पैदावार पर बुरा असर पड़ा है।

बनारस चंदौली और पूर्वांचल के कई जिलों में अभी तक गेहूं खरीदने के लिए केंद्र नहीं खोला गया। ग्यारह सौ रूपए प्रति क्विंटल भारत सरकार ने रेट निर्धारित किया है, लेकिन उत्तर प्रदेश की सरकार ने जनपद चंदौली, बनारस में एक भी केंद्र खोलने का काम नहीं किया है, बल्कि वहां गेहूं बिचौलियो के माध्यम से खरीदा जाता है। किसानों से बिचौलिया सस्ते रेट पर लेता है। सरकार गेहूं खरीद नहीं रही है, ऐसे में किसान ग्यारह सौ रूपए से नीचे में भी बेचने को तैयार हो जाता है और वही गेहूं सरकार बिचौलियों से खरीदकर उनको लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी बैठे हैं। वह उत्तर प्रदेश के विषय में जांच करा लें, दिखवा लें। वहां सूखा पड़ा, उसके बाद भी किसानों ने मेहनत करके, गेहूं की पैदावार को बढ़ाया है, लेकिन यदि गेहूं नहीं खरीदा जाएगा, तो उत्तर प्रदेश के किसानों की हालत खराब होगी। जो केंद्रीय भंडारण है, जो एफसीआई के गोदाम हैं, उनमें दूसरे प्रांतों का गेहूं लाकर भरा जा रहा है और इसी आधार पर उत्तर प्रदेश की सरकार कह रही है कि अब हम गेहूं खरीदकर कहां रखेंगे? यह गंभीर संकट उत्तर प्रदेश में गेहूं के किसानों के सामने उपस्थित हो गया है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से पुनः संसदीय कार्य मंत्री से, भारत सरकार से और कृषि मंत्री जी से मांग करता हूं कि पूर्वांचल के किसानों का गेहूं खरीदने के लिए तत्काल क्रय केंद्र खोले जाएं और किसान जितना गेहूं देना चाहता है, उसके गेहूं को खरीदकर गोदामों में रखा जाए। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।